Subscribe Past Issues Translate

View this email in your browser

शिक्षा संस्कार ॐ सहभागिता समरसता

बांसवाड़ा परियोजना

कार्यालय -भारत माता मन्दिर, राती तलाई, बांसवाड़ा (राज.) 327001
फेक्स : 02962-240018, फोन नं. 02962-240018, मो. नं. 9414101912, 9414102261
Email : bharatmatamandirnyas@gmail.com ◆ Website : www.banswarapariyojana.com

माह - जनवरी 2019 (भाद्रपद-अश्विन) युगाब्द-5120-5121 वि.सं.-2075-2076 अंक - 005

समरसता कुम्भ यात्रा

बांसवाडा परियोजना द्वारा दक्षिणी राजस्थान के जनजाति बाहुल्य क्षेत्र (87.00%) में विगत दशकों से चल रही अराष्ट्रीय गतिविधियां के उन्मूलन के लक्ष्य को लेकर विद्यालयों, छात्रावासों का संचालन, एक गांव एक मंदिर योजना , जनजाति क्षेत्र में परम्परागत रूप से चलने वाली भजनमण्डलियों का बार्षिक सम्मेलन एवम् स्थानीय महत्व के धार्मिक एवं सामाजिक बिषयों पर यात्राओं के माध्यम से जनजागरण का कार्य सतत किया जा रहा है। जनजाति समाज को अपने स्व पर गौरव हो, हिन्दुत्व व देशहित के बिषयों पर बृहद सोच विकसित हो इस हेतु राष्ट्रीय महत्व के बिषयों पर समय समय पर होने वाले राष्ट्रीय आंदोलनों में भाग लेने के लिये और प्रत्येक कुम्भ/अर्धकुम्भ के अवसर उनको कुम्भस्नान करवाने की योजना इस प्रकार की जाती है कि यात्रा के लिये निर्धारित लक्ष्य के साथ साथ उस दिशा में आने वाले प्रमुख तीर्थस्थानों के भी दर्शन हो जाये। इसी कार्य योजना के तहत बांसवाडा परियोजना द्वारा प्रयाग 2019 कुम्भ में भी जनजाति समाज के बंधुओं के कुम्भ स्नान की 10 दिन की यात्रा की योजना की गई।

समरसता कुम्भ यात्रा दिनांक 24.01.2019 को बांसबाडा, डूंगरपुर जिले के पूर्वनिर्धारित निर्धारित स्थानों से प्रारम्भ होकर उज्जैन,ओंकारेश्वर,मैहर माता, चित्रकूट के तीर्थों के दर्शन कर 27 जनवरी की रात्रि में प्रयागराज (कुम्भ) पहुंची। कुम्भ स्नान के बाद काशी में बाबा विश्वनाथ के, अयोध्या में रामलला के दर्शन किये, कारसेवकपुरम में मंदिर

के प्रति पूर्णरूपेण आश्वस्त होकर यात्रा हरिद्वार, ऋषिकेश, मथुरा, वृन्दावन, मेंहदीपुर बालाजी, पुष्कर जी,सांवलिया सेठ मंदिर, और आवरीमाता (चित्तौड़गढ़) व गौतमेश्वर (प्रतापगढ) के दर्शन करते हुये दि.03.02.2019 को यात्रा वापस अपने स्थानों पर पहुंची।

:-यात्रा का वृत्त:-

यात्रा की अवधि-	10 दिन (24 जनवरी से 03 फरवरी 2019)
जनजाति समाज के साधू संतों की संख्या :-	152
कार्यकर्ताओं की संख्या (व्यवस्था के लिये)	147
समाज के बंधु :-	1664
कुल यात्रियों की संख्या:-	1963
गांवों की संख्या:-	612
अनुसूचित जनजाति के बंधु:-	1733
अनुसूचित जाति के बंधु:-	87
शेष समाज के बंधु:-	143
प्रति व्यक्ति किराया:-	3100 रुपये
वाहनों की संख्या:-	54
यात्रा की दूरी:- (लगभग)	3800 कि.मी.

झाबुआ (म.प्र.) से 40,दाहोद (गुजरात) से 20 शेष राजस्थान के बांसवाडा, डूंगरपुर, उदयपुर एवम् प्रतापगढ़ जिलों के तीर्थयात्री थे।

कुम्भ स्नान को जाते जनजाति बंधु

समरसता यात्रा में गए साधु संत

व्यवस्थाएं

सम्पूर्ण यात्रा में 1963 यात्रियों के भोजन की व्यवस्था सहृदय हिन्दू समाज के व्यक्तियों / सामाजिक संगठनों द्वारा की गई । ओंकारेश्वर में श्रीमान् मंगल सिंह जी द्वारा, सतना में श्री मान् गिरीश जी अग्रवाल के माध्यम से माहेश्वरी समाज द्वारा,प्रयागराज कुम्भ मे दो समय की भोजन व्यबस्था कथावाचक माननीय रमेश भाई जी ओझा की कथा समिति द्वारा की गई ,समिति द्वारा सभी यात्रिओं को एक स्टील का "*धामा*" व एक गरम इनर (अंतर्वस्त्र) भेंट किया गया। प्रयाग (कुम्भ) में रात्रि विश्राम की व्यबस्था विश्व हिन्दू परिषद के केम्प में की गई। अयोध्या मे रहने व खाने की व्यबस्था राम जन्मभूमि न्यास द्वारा कारसेवक पुरम में की गई। वृन्दावन में खाने की व्यवस्था दीदी मां (साध्वी ऋतम्भरा जी) के वात्सल्य धाम में दीदी मां के शिष्य और अपने कार्यकर्ता कांकरोली (राजस्थान) निवासी श्रीमान् पवन जी शर्मा द्वारा की गई। पुष्कर धाम मे श्रीमान भंवरसिंह जी पलाडा ने अपने फार्म हाउस पर सपरिवार उपस्थित होकर जनजाति समाज के बंधुओं को सम्मानपूर्वक भोजन करवाया। रात्रि भोजन के लिये भोजन पैकेट की

गांवों के बंधुओं के सहयोग से की,शेष बची हुई राशि 38000 आवरी माता मंदिर को भेंट कर दी।

पार्किंग में यात्रा वाहन

Subscribe | Past Issues | Translate

परियोजना प्रमुख रामस्वरूप जी महाराज (केंद्रीय सहमंत्री वि हि प) के नेतृत्व में कुम्भ स्नान के लिए जाते हुए जनजाति समाज के तीर्थयात्री

जगद गुरु शंकराचार्य के साथ जानजाति समाज के साधु संत

यात्रा से सम्बन्धित उल्लेखनीय बिन्दु

----

1. 54 वाहनों में यात्रा कर रहे 1963 यात्रियों के काफिले को भोजन करवाने के लिये हिन्दू समाज के बंधु आखिरी वाहन के आने तक इंतजार में 5 से 6 घण्टे (रात में भी) तक खडे रहे और सभी यात्रियों को सम्मानपूर्वक भोजन करवाने के बाद ही गये,उनके इस आत्मीयतापूर्ण व्यवहार को जनजाति समाज के सभी बंधुओं ने दिल से सराहा और हिन्दू समाज के संगठित स्वरूप को महसूस किया।

2.अयोध्या में रामलला को टेण्ट में देखकर जनजाति समाज के सभी बंधु द्रवीभूत हो गये। कारसेवक पुरम में पचासों कारीगरों को मंदिर निर्माण के लिये पत्थर घडने का कार्य करते हुये देखकर और अब तक तरासे जा चुके हजारों पत्थरों के विशाल ढेर को देखकर 1989 और 1992 की कार सेवा के अपने अपने अनुभवों को याद करते हुये राम मंदिर बनाने के लिये

गई कि मंदिर के लिये एकत्रित पैसा व्यक्तिगत उपयोग में ले लिया है। मन में यह विश्वास लेकर लौटे हैं कि अयोध्या में राम मंदिर निश्चित ही बनेगा और शीघ्र ही बनेगा।

3.परियोजना प्रमुख रामस्वरूप जी महाराज (केन्द्रीय सह मंत्री वि.हि.प.) के नेतृत्व में 28 जनवरी को प्रातः 6.30 बजे जनजाति समाज के 1963 बंधु जब एक साथ गंगा-स्नान के लिए निकले तो रास्ते मे आने वाले अखाड़ों के साधू सन्यासियों ने बाहर निकल कर कौतूहलपूर्ण आनन्द के साथ जनजाति समाज के इतने बंधुओं को एक साथ गंगा-स्नान के लिये जाते हुये देखकर हर्षौल्लास के साथ उत्साहवर्धन किया, नागा अखाड़े के साधू तो अपनी अपनी कुटियों से बाहर आकर नाचने लग गये।

4.प्रयाग में वि.हि.प.केम्प की आवास व्यवस्था देख रहे कार्यकर्ता ग्रामीण परिवेश के इन 1963 लोगों के रात में आने की स्थिति में सोने की व्यवस्था करने, सुबह सभी के एक साथ नित्यकर्म करने और सफाई व्यवस्था को लेकर काफी चिंतित हो रहे थे लेकिन वहां पहले से उपस्थित रामस्वरूप जी महाराज ने उन्हें कहा कि आप लोग निश्चिंत्त होकर सो जाओ कोई समस्या नहीं होगी । यात्रियों की बसों का आने का क्रम रात को 11.00 बजे से 2.00 बजे तक चला,और एक सूचना पर बिना किसी शोरशराबे के सभी लोग बताये गये स्थान (टेण्ट) पर सोने चले गये, और सुबह नित्यकर्म से निवृत हो गये,व्यवस्था में लगे कार्यकर्ताओं ने यात्रियों की पूरी संख्या उस समय देखी जब यात्रा कुम्भ से वापस जा रही थी उस समय उनकी प्रतिक्रिया थी कि रात को इतने लोग आये ,रहे परन्तु पता ही नहीं चला और व्यवस्था में लगे कार्यकर्ता जनजाति समाज के इन यात्रियों के अनुशासन की तारीफ करते रहे।

वात्सल्य धाम वृन्दावन में भोजन

काशी में बाबा विश्वनाथ में मंदिर में दर्शन

Subscribe | Past Issues | Translate ▼

मेहंदीपुर बालाजी (राजस्थान)

हरिद्वार में माँ गंगा की आरती में जनजाति समाज के बन्धु

पुष्कर में भोजन

आवरी माता (चित्तौड़) में भोजन

-:विशेष:-

विगत बर्षों में हुई इसी प्रकार की यात्राएं है।

1. (i) अप्रैल 2004:- महिला सम्मेलन दिल्ली

संख्या - 518

यात्रा का मार्ग:- बांसवाडा, सांवरिया जी रणथम्भौर, मथुरा, वृन्दावन, हरिद्वार, ऋषिकेष से दिल्ली (कार्यक्रम में)

(ii) फरवरी 2007 प्रयाग कुम्भ

संख्या - 2236

यात्रा का मार्ग:- बांसबाडा ,उज्जैन, ओंकारेश्वर चित्रकूट प्रयाग, काशी, अयोध्या, हरिद्वार, ऋषिकेश, मथुरा, गलताजी,(जयपुर)

पुष्कर जी, सांवरिया जी से बांसवाडा ।

(iii) मार्च 2009 नर्मदा कुम्भ (मण्डला)

संख्या - 1127

यात्रा का मार्ग:- उज्जैन, ओंकारेश्वर, मण्डला ,खजुराहो से बांसवाडा ।

2. प्रयाग कुम्भ 2019 में गये इन तीर्थयात्रियों का एवम् विगत बर्षों में हुई उपरोक्त यात्रा के तीर्थयात्रियों का एकदिवसीय सम्मेलन प्रतिबर्ष किया जायेगा, जिसमें इन सभी को अपने हिन्दू धर्म का संरक्षण करने के लिये प्रेरित किया जायेगा ।

------------xxxxxxx-----------

Subscribe Past Issues Translate

This email was sent to <<Email Address>>
why did I get this? unsubscribe from this list update subscription preferences
Bharat mata mandir · Bharat mata mandir · rati talai · Delhi, 110009 · India

INTUIT mailchimp